दायित्वों का बोध कराने वाला ही गुरु : दातीश्री

देसूरी में दाती महाराज का भव्य स्वागत, भक्तों ने बिछाए पलक पांवड़े

जो दायित्वों का बोध करता हो, वही सच्चा गुरु है। गुरु व शिष्य का रिश्ता अटूट है। दोनों एक दूसरे के बिना अधूरे हैं। यह बात श्रीश्री 1008 महामंडलेश्वर परमहंस दातीजी महाराज ने कही। वे लालभेंग नवल आश्रम में आयोजित सत्संग व आशीर्वचन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि धर्म की राह हर कोई नहीं चल सकता, क्योंकि इस पर चलना कठिन है। यदि आदमी मार्ग से भटक गया तो जीवन को सफल बनाना मुश्किल हो जाएगा। इससे पहले देसूरी आगमन पर दाती जी महाराज का भव्य स्वागत किया गया। उनके स्वागत में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर उनका भव्य अभिनंदन किया। इस अवसर पर धूमधाम से गाजे-बाजे के साथ मुख्य चौराहे से गुरु लाल भेंग नवल आश्रम तक वरघोड़ा निकाला गया, जो कस्बे के मुख्य मार्गों से होते हुए आश्रम पहुंचा। दाती जी महाराज का स्वागत करने के लिए शनि भक्तों के साथ ग्रामीण जैसे उमड़ पड़े। आश्रम से गाजे-बाजे के साथ ग्रामीण मुख्य चौराहे पर पहुंचे। वहां से दाती जी महाराज के साथ ग्रामीण व शनिभक्त कस्बे के मुख्य मार्ग से होते हुए गुजरे। जिस मार्ग से वरघोड़ा गुजरा, वहां ग्रामीणों ने दाती जी महाराज पर फूलों की वर्षा की गई। गाजे-बाजे के साथ वरघोड़ा दो घंटों में आश्रम पहुंचा, जहां उपस्थित श्रद्धालुओं ने उनका भव्य स्वागत किया।

माता-पिता की करो सेवा : दाती जी महाराज के सानिध्य में देसूरी में आयोजित सत्संग व आशीर्वचन समारोह में उन्होंने कहा कि शनिदेव किसी के भी शत्रु नहीं हैं, बल्कि वह मित्र हैं। न्याय प्रिय शनि देव मनुष्य को उसके कर्मों का फल देते हैं ना कि कष्ट। जो जैसे कर्म करता है, शनिदेव उसे वैसा ही फल देते हैं। उन्होंने कहा कि यदि किसी गरीब की सेवा की जाए, दस मिनट भी घर में माता -पिता की सेवा की जाए, गरीबों की मदद की जाए, कन्याओं का आदर किया जाए तो शनिदेव ऐसे व्यक्ति को वह सभी फल देते हैं, जो उस व्यक्ति ने जीवन में सोचे भी नहीं हों। सेवा कार्य शनिदेव को ध्यान में रखकर किए जाए तो तत्काल फल मिलता है क्योंकि प्रत्यक्ष और तत्काल प्रभाव देने वाले देव ही शनि देव हैं। उन्होंने कहा कि आज तक देश के जितने भी प्रधानमंत्री हुए हैं, वह सभी शनि की साढ़े साती दशा में पद पर आए हैं। तो फिर शनिदेव कष्ट और अशुभ फल देने वाले कैसे हो सकते हैं। किसी ने सोचा भी नहीं होगा कि देश में लोकपाल बिल को इतना समर्थन मिलेगा। लोग भष्ट्राचार के खिलाफ जागेंगे। इस तरह के फल शनिदेव ही देते हैं।

भजनों पर भाव विभोर हुए श्रोता : इस अवसर पर भजन संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें रातभर भक्ति सरिता बहती रही। भक्ति संध्या का शुभारंभ दाती महाराज ने दीप प्रज्वलित कर किया। उसके बाद उपस्थित भजन गायक ने गणपति व गुरु वंदना सहित कई भजन प्रस्तुत किए। इस मौके पर उन्होंने लाल महाराज की कार्य शैली की प्रशंसा करते हुए कहा कि यदि उनके साथ देसूरी शनि भक्तों एवं ग्रामीणों का सहयोग ऐसे ही मिलता रहा तो वह देसूरी क्षेत्र के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य करेंगे। सत्संग कार्यक्रम में शिक्षा राज्य मंत्री मांगीलाल गरासिया, एसडीएम मोहन सिंह राजपुरोहित, तहसीलदार जगनेश्वर श्रीमाली, बीडीओ घीसाराम बामणिया, कांग्रेस किसान प्रकोष्ट महामंत्री रतन जणवा, पंचायत समिति सदस्य पूराराम मीणा, सरपंच देसूरी मोतीलाल चौधरी सहित उपस्थित अन्य अतिथियों का श्री गुरु लाल भेंग नवल आश्रम के महंत लाल महाराज व शनिभक्तों ने स्वागत किया।